



INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST
EDITION



UPSC IAS

सामान्य अध्ययन (हिंदी माध्यम)

पिछले वर्षों के

सोल्वड पेपर्स (व्याख्या सहित)

Module - 2 2011-2023



INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

UPSC IAS

सामान्य अध्ययन (हिंदी माध्यम)

(प्रारंभिक परीक्षा हेतु)

पिछले वर्षों के
सॉल्व्ड पेपर (व्याख्या सहित)

भाग – 2

वर्ष 2011 से 2023 तक

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत पुस्तक “UPSC IAS (सामान्य अध्ययन, हिंदी माध्यम) पिछले वर्षों के पेपर (व्याख्या सहित)” को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। यह पुस्तक पाठकों को संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा “सिविल सर्विस एग्जाम (CSE)” में पूर्ण संभव मदद करेंगे।

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशक:

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : <https://www.infusionnotes.com>

WhatsApp - <https://wa.link/0o4i74>

Online Order - <https://shorturl.at/lsOW7>

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम

यूपीएससी सिविल सर्विसेज (प्रा) परीक्षा

सामान्य अध्ययन पेपर I

सॉल्वड पेपर 2011 TO 2023

निर्देश

1. इस परीक्षण पुस्तिका में 100 प्रश्नांश (प्रश्न) दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्नांश में चार उत्तर विकल्प दिए गए हैं। इनमें से एक उत्तर को चुन लें, जिसे आप उत्तर-पत्रक पर अंकित करना चाहते हैं। यदि आपको ऐसा लगे कि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं, तो उस प्रत्युत्तर को अंकित करें, जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक प्रश्नांश के लिए केवल एक ही प्रत्युत्तर चुनना है।
2. इससे पहले कि आप परीक्षण पुस्तिका के विभिन्न प्रश्नांशों के प्रत्युत्तर उत्तर-पत्रक पर अंकित करना शुरू करें, आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ प्रेषित अनुदेशों के अनुसार कुछ विवरण उत्तर-पत्रक में देने हैं।
3. गलत उत्तरों के लिए दण्ड
 - ❖ प्रत्येक प्रश्न के लिए चार वैकल्पिक उत्तर हैं। अभ्यर्थी द्वारा उस प्रत्येक प्रश्न के लिए दण्ड है, जिसका वह गलत उत्तर देता है। इसके लिए नियत किए गए अंकों का एक-तिहाई दण्ड के रूप में काटा जाएगा।
 - ❖ यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जाएगा। यद्यपि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही होता है फिर भी उस प्रश्न के लिए उसी तरह का दण्ड दिया जाएगा।
 - ❖ यदि अभ्यर्थी कोई प्रश्न हल नहीं करता है अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं दिया जाएगा।

UPSC- 2011

1. केन्द्रीय बजट 2011-12 में जैव-मूल ऐस्फाल्ट (बायोऐस्फाल्ट) पर मूल सीमा शुल्क की पूरी छूट प्रदान की गई है। इस पदार्थ का क्या महत्त्व है?
 1. पारम्परिक ऐस्फाल्ट के विपरीत, बायोऐस्फाल्ट जीवाश्म ईंधनों पर आधारित नहीं होता।
 2. बायोऐस्फाल्ट अनवीकरणीय (नॉन-रिन्यूएबल) साधनों से निर्मित हो सकता है।
 3. बायोऐस्फाल्ट जैव अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित हो सकता है।
 4. बायोऐस्फाल्ट से सड़कों की ऊपरी सतह बिछाना पारिस्थितिकी के अनुकूल है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर-(b)

व्याख्या- बायोऐस्फाल्ट एक ऐसा पदार्थ है जो सड़कों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह पेट्रोलियम से नहीं बनता है, बल्कि जैव अपशिष्ट पदार्थों से बनता है। इन जैव अपशिष्ट पदार्थों में चीनी, गन्ने की खोई, चावल, मक्का, आलू, स्टार्च, गोंद, रेजिन, प्राकृतिक लैटेक्स, खड़ आदि शामिल हैं।

बायोऐस्फाल्ट पारंपरिक ऐस्फाल्ट की तुलना में कई फायदे हैं। यह अविषाक्त है, इसलिए यह पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है। यह पारिस्थितिकी के अनुकूल भी है, क्योंकि यह जैव अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके बनाया जाता है।

2. निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

1. कार्बन डाइ ऑक्साइड
2. नाइट्रोजन के ऑक्साइड
3. सल्फर के ऑक्साइड

उपर्युक्त में से कौन-सा / कौन-से उत्सर्जन ऊष्मीय शक्ति संयंत्रों में कोयला दहन से उत्सर्जित होता है/होते हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (d)

व्याख्या- ऊष्मीय शक्ति संयंत्र बिजली बनाने के लिए कोयले का उपयोग करते हैं। जब कोयले को जलाया जाता है, तो यह कई प्रकार के हानिकारक पदार्थों को छोड़ता है। इन पदार्थों को उत्सर्जन कहा जाता है। ये मुख्य उत्सर्जन निम्नलिखित हैं:

- कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2): यह एक ग्रीनहाउस गैस है जो ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती है।
 - सल्फर ऑक्साइड (SO_x): यह एक प्रदूषक है जो श्वसन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है।
 - नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x): यह एक प्रदूषक है जो श्वसन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है और अम्लीय वर्षा का कारण बन सकता है।
 - ट्रेस तत्व: ये छोटे मात्रा में पाए जाने वाले पदार्थ हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
3. दूरसंचार प्रसारण हेतु प्रयुक्त उपग्रहों को भू-अप्रगामी कक्षा में रखा जाता है। एक उपग्रह ऐसी कक्षा में तब होता है जब-

- 1. कक्षा भू-तुल्यकालिक होती है।
- 2. कक्षा वृत्ताकार होती है।
- 3. कक्षा पृथ्वी की भूमध्य रेखा के समतल होती है।
- 4. कक्षा 22,236 किमी की त्रुणता पर होती है।

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (a)

व्याख्या- भू-अप्रगामी कक्षा पृथ्वी के चारों ओर एक वृत्ताकार कक्षा है जो पृथ्वी के घूर्णन के साथ सिंक्रोनाइज़ होती है। इसका मतलब है कि उपग्रह हमेशा पृथ्वी पर एक ही स्थान पर दिखाई देता है।

- भू-तुल्यकालिक कक्षा एक ऐसी कक्षा है जो पृथ्वी के घूर्णन के साथ सिंक्रोनाइज़ होती है। इसका मतलब है कि उपग्रह हमेशा पृथ्वी पर एक ही स्थान पर दिखाई देता है।

- भूमध्य रेखा पृथ्वी का एक परिपत्र रेखा है जो पृथ्वी के केंद्र से होकर गुजरती है और पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों को जोड़ती है।
- समुद्रतल पृथ्वी की सतह से 0 मीटर की ऊंचाई पर है।
- अतः, भू-अप्रगामी कक्षा एक ऐसी कक्षा है जो पृथ्वी के चारों ओर एक वृत्ताकार पथ पर घूमती है, जो पृथ्वी के घूर्णन के साथ सिंक्रोनाइज़ होती है और पृथ्वी की भूमध्य रेखा के समतल में होती है।

4. हाल के वर्षों में भारत निरन्तर और उच्च खाद्य स्फीति से गुजर रहा है। इसके क्या कारण हो सकते हैं?

1. उत्तरोत्तर वाणिज्यिक फसलों की खेती में प्रयुक्त होने के कारण खाद्यान्नों का कृषि क्षेत्र विगत पाँच वर्षों में लगातार घटते हुए लगभग 30 प्रतिशत घट गया है।
2. बढ़ी हुई आय के कारण लोगों के उपभोग प्रतिरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं।
3. आहार की आपूर्ति श्रृंखला में कई संरचनात्मक अवरोध हैं।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर-(b)

व्याख्या- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का कहना है कि भारत में हाल के वर्षों में खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसका कारण यह है कि खाद्य पदार्थों की मांग और आपूर्ति में असंतुलन है। मांग बढ़ रही है, लेकिन आपूर्ति नहीं बढ़ रही है। इस असंतुलन के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं।

इसके अलावा, लोगों के उपभोग प्रतिरूप में भी बदलाव आया है। लोग अधिक प्रोटीन और फल-सब्जियों का सेवन कर रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों की कीमतें अधिक होने के कारण खाद्य स्फीति बढ़ रही है।

5. वर्तमान में वैज्ञानिक किसी गुणसूत्र में जीन इकाइयों का विन्यास अथवा उनकी आपेक्षिक स्थिति अथवा डी.एन.ए. अनुक्रमों को निर्धारित कर सकते हैं। यह ज्ञान हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है?

1. उसकी मदद से पशुधन की वंशावली जानी जा सकती है।
2. उसकी मदद से सभी मानव रोगों के कारण ज्ञात हो सकते हैं।
3. उसकी मदद से पशुओं की रोग-सह नस्लें विकसित की जा सकती हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा / कौन-से कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (d)

व्याख्या-

- मानव जीनोम प्रोजेक्ट एक अनुसंधान परियोजना है जिसका उद्देश्य मानव जीनोम को अनुक्रमित करना है। जीनोम एक जीव के सभी आनुवंशिक जानकारी को रखता है।
- मानव जीनोम प्रोजेक्ट केवल वंशानुगत रोगों से सम्बन्धित नहीं है। इसका मतलब है कि यह प्रोजेक्ट केवल उन रोगों से संबंधित नहीं है जो माता-पिता से बच्चों में आते हैं। यह उन रोगों से भी संबंधित है जो पर्यावरणीय कारकों के कारण होते हैं, जैसे कि बैक्टीरिया या वायरस।
- अब तक लगभग 30K जीनों की खोज हुई है। जीन एक छोटे से खंड डीएनए होते हैं जो शरीर के किसी विशेष कार्य को नियंत्रित करते हैं।
- जीनोम अनुक्रम द्वारा रोगों पर नियन्त्रण पाने में काफी मदद मिलेगी। इसका मतलब है कि जीनोम अनुक्रम का उपयोग करके हम रोगों के कारणों और उपचारों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।
- प्रत्येक रोग का एक आनुवंशिक अवयव होता है, चाहे वह वंशानुगत हो अथवा पर्यावरण जनित। इसका मतलब है कि सभी रोगों में कुछ हद तक आनुवंशिक कारक शामिल होते हैं।
- मानव जीनोम प्रोजेक्ट की सफलता के कारण शोधकर्ता जीनों में उत्पन्न दोषों का पता लगा सकते हैं। इसका मतलब है कि हम अब उन जीनों में उत्पन्न दोषों को पहचान सकते हैं जो रोगों का कारण बनते हैं।

6. आर्थिक क्रियाकलापों के सन्दर्भ में XIX राष्ट्रमण्डल खेलों को देखने के लिए विदेशी नागरिकों का भारत में आगमन-

- (a) निर्यात था
- (c) उत्पादन था
- (b) आयात था
- (d) उपभोग था

उत्तर- (a)

व्याख्या- आर्थिक क्रियाकलापों के सन्दर्भ में 19वें राष्ट्रमण्डल खेलों को देखने के लिए आए विदेशी नागरिकों का भारत में आगमन निर्यात माना जाएगा, क्योंकि उनके भारत आगमन से भारत को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। अर्थात् भारत ने विदेशी नागरिकों को एक तरह से पर्यटन सेवा उपलब्ध कराई है जिसके बदले में वे विदेशी मुद्रा का भुगतान करेंगे।

7. सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाएँ (माइक्रोबियल फ्यूल सेल) ऊर्जा का धारणीय (सस्टेनेबल) स्रोत समझी जाती हैं। क्यों?

1. ये जीवित जीवों को उत्प्रेरक के रूप में प्रयुक्त कर कुछ सबस्ट्रेटों से विद्युतीय उत्पादन कर सकती हैं।
2. ये विविध प्रकार के अजैव पदार्थ सबस्ट्रेट के रूप में प्रयुक्त करती हैं।
3. ये जल का शोधन और विद्युत उत्पादन करने के लिए अपशिष्ट जल शोधन संयंत्रों में स्थापित की जा सकती हैं। उपर्युक्त में से कौन-सा / कौन-से कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (d)

व्याख्या- सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाएँ ऐसी युक्तियाँ हैं जो सूक्ष्मजीवों द्वारा उत्पन्न रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती हैं।

सूक्ष्मजीव बहुत छोटे जीव होते हैं जो सभी प्रकार के वातावरण में पाए जाते हैं। वे कार्बनिक पदार्थों को तोड़ने के लिए उत्प्रेरक प्रतिक्रियाओं का उपयोग करते हैं। इन प्रतिक्रियाओं से ऊर्जा निकलती है, जिसे सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाएँ विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर सकती हैं।

प्रमुख सबस्ट्रेट वे पदार्थ हैं जिनका उपयोग सूक्ष्मजीवों द्वारा ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाओं के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख सबस्ट्रेट हैं:

- प्राकृतिक और कृत्रिम अपशिष्ट जल: अपशिष्ट जल में कार्बनिक पदार्थ होते हैं जिन्हें सूक्ष्मजीवों द्वारा तोड़ा जा सकता है। इस प्रकार, अपशिष्ट जल को सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाओं के माध्यम से चलाकर, हम अपशिष्ट जल को शुद्ध करने और विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने दोनों का काम कर सकते हैं।
- लिग्नोसेल्युलॉसिक बायोमास: लिग्नोसेल्युलॉसिक बायोमास लकड़ी, फसलों के अवशेष और अन्य जैविक पदार्थों से बना होता है। यह एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है जिसका उपयोग सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाओं में किया जा सकता है।
- अकार्बनिक पदार्थ: कुछ सूक्ष्मजीव अकार्बनिक पदार्थों, जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रेट्स, से भी ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। इस प्रकार, सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके, हम वायु और पानी से भी विद्युत ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'वित्तीय उत्प्रेरक' की समुचित व्याख्या करता है?

- (a) यह सरकार द्वारा उत्पादन क्षेत्र में किया गया वृहद निवेश है जिसका लक्ष्य माल की आपूर्ति कर तीव्र आर्थिक विकास के कारण बढ़ी हुई माँग को पूरा करना है
- (b) यह सरकार की गहन निश्चयात्मक कार्यवाही है जिसका लक्ष्य देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।
- (c) यह सरकार द्वारा वित्तीय संस्थानों पर की गई गहन कार्यवाही है जिसका लक्ष्य कृषि तथा सहबद्ध क्षेत्रों को ऋण वितरित कराना है। जिससे वृहत्तर खाद्य उत्पादन को प्रोत्साहन मिल सके और खाद्य स्फीति पर अंकुश लग सके
- (d) यह सरकार की चरम निश्चयात्मक कार्यवाही है जिसका लक्ष्य वित्तीय समावेशन नीति का अनुसरण करना है

उत्तर-(b)

व्याख्या- वित्तीय उत्प्रेरक का मतलब है कि सरकार आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपनी वित्तीय नीतियों का उपयोग करती है।

- राजकोषीय उपकरण वे उपकरण हैं जो सरकार अपनी वित्तीय नीतियों को लागू करने के लिए उपयोग करती है। कुछ सामान्य राजकोषीय उपकरणों में करें

में कटौती, सरकारी व्यय में वृद्धि और सार्वजनिक निवेश शामिल हैं।

- माँग की कमी एक आर्थिक स्थिति है जिसमें लोग उतनी वस्तुएँ या सेवाएँ नहीं खरीद रहे हैं जितनी वे कर सकते हैं।
- क्रय शक्ति वह राशि है जो लोग वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने के लिए खर्च कर सकते हैं।
- वित्तीय उत्प्रेरक का उपयोग करके, सरकार लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ा सकती है। यह करें में कटौती करके किया जा सकता है, जिससे लोगों के पास अधिक पैसा बचता है। यह सरकारी व्यय में वृद्धि करके भी किया जा सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था में अधिक धन प्रवाह होता है।
- कुल मिलाकर, वित्तीय उत्प्रेरक एक शक्तिशाली उपकरण है जिसका उपयोग सरकार आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और आर्थिक मंदी को रोकने के लिए कर सकती है।

9. अण्टार्कटिक क्षेत्र में ओजोन छिद्र का बनना चिन्ता का विषय है। इस छिद्र के बनने का सम्भावित कारण क्या है?

- (a) विशिष्ट क्षोभमण्डलीय विक्षोभ की उपस्थिति तथा क्लोरोफ्लोरो कार्बनों का अन्तर्वाह
- (b) विशिष्ट ध्रुवीय वाताग्र तथा समतापमण्डलीय बादलों की उपस्थिति तथा क्लोरोफ्लोरो कार्बनों का अन्तर्वाह
- (c) ध्रुवीय वाताग्र तथा समतापमण्डलीय बादलों की अनुपस्थिति तथा मेथेन और क्लोरोफ्लोरो कार्बनों का अन्तर्वाह
- (d) वैश्विक तापन से ध्रुवीय प्रदेश में हुई तापमान वृद्धि

उत्तर-(b)

व्याख्या- "ध्रुवीय समतापमण्डलीय बादलों में जब नाइट्रिक अम्ल और क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFC) मिलते हैं, तो वह एक प्रक्रिया के माध्यम से क्लोरीन बनाते हैं। यह क्लोरीन उदरवायु की ओजोन की संरक्षा को कमजोर करने वाली रासायनिक क्रियाओं को बढ़ावा देता है, जिससे ओजोन क्षय हो सकता है।"

10. निम्नलिखित कार्यवाहियों पर विचार करें जो सरकार द्वारा की जा सकती हैं—

1. घरेलू मुद्रा का अवमूल्यन ।
2. निर्यातों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में कटौती।
3. उन उपयुक्त नीतियों को लागू करना जिससे देश में अधिक FDI आए तथा FII's से अधिक निधि आए।

उपर्युक्त में से कौन-सी क्रिया/क्रियाएँ चालू खाते के घाटे को घटाने में सहायक साबित हो सकती हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर- (a)

व्याख्या- चालू खाता घाटा वह स्थिति है जब किसी देश द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उस देश द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य से अधिक होता है। यह एक आर्थिक समस्या है क्योंकि यह देश को विदेशी मुद्रा भंडार खोने का कारण बन सकता है।

चालू खाता घाटे को कम करने के लिए सरकार निम्नलिखित उपाय कर सकती है:

- निर्यात को बढ़ावा देना: सरकार निर्यातकों को सब्सिडी दे सकती है या आयात पर प्रतिबंध लगा सकती है।
- आयात को कम करना: सरकार आयात पर प्रतिबंध लगा सकती है या आयातित वस्तुओं पर कर लगा सकती है।
- विदेशी निवेश को बढ़ावा देना: सरकार विदेशी निवेशकों के लिए एक अनुकूल माहौल बना सकती है।

पूंजी खाता वह खाता है जिसमें विदेशी निवेश, ऋण और बैंकिंग पूंजी शामिल होती है। एक सकारात्मक पूंजी खाता प्रवाह का मतलब है कि देश में विदेशी निवेश आ रहा है, जबकि एक नकारात्मक पूंजी खाता प्रवाह का मतलब है कि देश से विदेशी निवेश बाहर जा रहा है।

11. संविधान (73वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992, जिसका लक्ष्य देश में पंचायती राज संस्थापनों को प्रोत्साहित करना है, निम्नलिखित में से किस/किन चीजों की व्यवस्था करता है?

1. जिला योजना समितियों का गठन करने की।
2. राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा सभी पंचायतों का चुनाव करने की।
3. राज्य वित्त आयोगों की स्थापना करने की।

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर-(c)

व्याख्या- 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने भारत में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई प्रावधान किए। इनमें से एक प्रावधान है वित्त आयोग की स्थापना का।

- वित्त आयोग का कार्य पंचायतों की वित्तीय स्थिति का पुनर्विलोकन करना और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सिफारिश करना है। यह आयोग प्रत्येक 5 वर्ष बाद गठित किया जाता है।
- 73वें संशोधन अधिनियम ने पंचायतों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की भी स्थापना की है। यह आयोग पंचायतों के चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए जिम्मेदार है।
- 74वें संविधान संशोधन अधिनियम ने जिला योजना समिति और महानगर योजना समिति की स्थापना के लिए भी प्रावधान किया है। ये समितियाँ स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं को तैयार करने और लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं।
- संक्षेप में, 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों ने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं।

12. दो महत्वपूर्ण नदियाँ - जिनमें से एक का स्रोत झारखण्ड में है (और जो ओडिशा में दूसरे नाम से जानी जाती है) तथा दूसरी जिसका स्रोत ओडिशा में है- समुद्र में प्रवाह करने से पूर्व एक ऐसे स्थान पर संगम करती है जो बंगाल की खाड़ी से कुछ ही दूर है। यह वन्य जीवन तथा जैव विविधता का प्रमुख स्थल है और सुरक्षित क्षेत्र है। निम्नलिखित में वह स्थल कौन-सा है?

- (a) भितरकनिका
- (b) चाँदीपुर-ऑन सी
- (c) गोपालपुर-ऑन सी
- (d) सिमलीपाल

उत्तर- (a)

व्याख्या- वैतरणी और ब्राह्मणी नदियाँ ओडिशा के पूर्वी तट पर स्थित भितरकनिका जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र में मिलती हैं। यह स्थान बंगाल की खाड़ी से कुछ ही दूर है। ब्राह्मणी नदी का उद्गम झारखण्ड के राँची जिले के नागरी गाँव के पास 600 मीटर की ऊँचाई पर होता है। यह प्रारंभ में दक्षिण कोयल नदी के नाम से जानी जाती है। मनोहरपुर के बाद यह नदी दाईं ओर मुड़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती हुई राउरकेला पहुँचती है। राउरकेला के बाद से इस नदी का नाम ब्राह्मणी हो जाता है।

वैतरणी नदी का उद्गम ओडिशा के कोंझार जिले के मंकरनाचा गाँव के पास 900 मीटर की ऊँचाई पर होता है। यह नदी शुरू में उत्तर और पूर्व दिशा में 80 किलोमीटर तक बहती है। फिर यह दक्षिण-पूर्व दिशा में मुड़ जाती है और अंत में बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले ब्राह्मणी नदी में मिल जाती है।

13. स्फीति दर में होने वाली तीव्र वृद्धि का आरोप्य कभी-कभी 'आधार प्रभाव' (base effect) पर लगाया जाता है। यह 'आधार प्रभाव' क्या है?

- (a) यह फसलों के खराब होने से आपूर्ति में उत्पन्न उग्र अभाव का प्रभाव है
- (b) यह तीव्र आर्थिक विकास के कारण तेजी से बढ़ रही माँग का प्रभाव है
- (c) यह विगत वर्ष की कीमतों का स्फीति दर की गणना पर आया प्रभाव है
- (d) इस सन्दर्भ में उपर्युक्त 'a', 'b', 'c' कथनों में से कोई भी सही नहीं है

उत्तर-(c)

व्याख्या- मुद्रास्फीति का मतलब है कि वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें समय के साथ बढ़ रही हैं। मुद्रास्फीति की दर को प्रतिशत में व्यक्त किया जाता

है। उदाहरण के लिए, यदि मुद्रास्फीति की दर 10% है, तो इसका मतलब है कि पिछले वर्ष की तुलना में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें औसतन 10% बढ़ गई हैं।

मुद्रास्फीति के लिए आधार प्रभाव एक ऐसी घटना है जिसमें मुद्रास्फीति की दर पिछले वर्ष की तुलना में कम होने पर भी बढ़ती है। यह तब होता है जब पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष की शुरुआत में कीमतें कम होती हैं।

14. भारत की गिनती 'जनांकिकीय लाभांश' (डेमोग्राफिक डिविडेण्ड) वाले देश के रूप में की जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि-

- (a) यहाँ 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक है।
- (b) यहाँ 15-64 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक है
- (c) यहाँ 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक है।
- (d) यहाँ की कुल जनसंख्या अधिक है।

उत्तर- (b)

व्याख्या-

- जनसंख्या: किसी देश में रहने वाले सभी लोगों की संख्या।
- कार्यकारी जनसंख्या: 15 से 64 वर्ष के बीच की आयु के लोग, जो काम करने में सक्षम हैं।
- जनांकिकीय लाभांश: जब देश की कुल जनसंख्या में कार्यकारी जनसंख्या का भाग अधिक होता है, तो इसे जनांकिकीय लाभांश कहा जाता है।
- आर्थिक विकास: किसी देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि।

15. 'कार्बन क्रेडिट' के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) कार्बन क्रेडिट प्रणाली क्योटो प्रोटोकाल के संयोजन में सम्पुष्ट की गई थी
- (b) कार्बन क्रेडिट उन देशों या समूहों को प्रदत्त की जाती है जो ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन घटाकर उसे उत्सर्जन अभ्यंश के नीचे ला चुके होते हैं
- (c) कार्बन क्रेडिट का लक्ष्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगाना है
- (d) कार्बन क्रेडिट का क्रय-विक्रय संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के द्वारा समय-समय पर नियत मूल्यों के आधार पर किया जाता है।

उत्तर- (d)

UPSC - 2020

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'आधार' मेटाडेटा को तीन महीने से अधिक संग्रहित नहीं रखा जा सकता है।
2. राज्य निजी निगमों (Corporations) से 'आधार' डेटा को साझा करने के लिए कोई अनुबंध नहीं कर सकता।
3. 'आधार' बीमा उत्पादों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।
4. 'आधार' भारत की संचित निधि से हितलाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1 और 4
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर:- (b)

व्याख्या-

आधार कार्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम फैसले सुनाए हैं। उनमें से कुछ प्रमुख फैसले इस प्रकार हैं:

1. आधार प्रमाणीकरण डेटा को 6 महीने से आगे नहीं रखा जा सकता है। इसका मतलब है कि आधार कार्ड से जुड़ा डेटा, जैसे कि नाम, पता, जन्म तिथि, आदि को 6 महीने से ज्यादा नहीं रखा जा सकता है। इससे लोगों की निजता की रक्षा होगी।
2. आधार कार्ड का उपयोग केवल सरकार द्वारा निर्धारित सेवाओं के लिए किया जा सकता है। इसका मतलब है कि आधार कार्ड का उपयोग किसी भी निजी कंपनी या संस्थान द्वारा नहीं किया जा सकता है। इससे लोगों की निजता की और भी अधिक रक्षा होगी।
3. बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। इसका मतलब है कि बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता नहीं है। लोग अपनी इच्छानुसार किसी भी तरह से बीमा पॉलिसी खरीद सकते हैं।
4. किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है। इसका मतलब है कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। इससे यह सुनिश्चित

होगा कि योजना का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके।

2. राज्य सभा की लोक सभा के समान शक्तियाँ किस क्षेत्र में हैं ?

- (a) नई अखिल भारतीय सेवाएँ गठित करने के विषय में
- (b) संविधान में संशोधन करने के विषय में
- (c) सरकार को हटाने के विषय में
- (d) कर्टांती प्रस्ताव प्रस्तुत करने के विषय में

उत्तर:- (b)

व्याख्या- लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही भारत की संसद के अंग हैं। इन दोनों सदनों की कुछ समान शक्तियाँ और स्थिति होती हैं। इन समान शक्तियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- सामान्य विधेयक लाना और पारित करना।
- संविधान संशोधन विधेयकों का परिचय और पारित करना।
- भारत की संचित निधि से व्यय वाले वित्तीय बिलों का परिचय और पारित करना।
- राष्ट्रपति का चुनाव और महाभियोग।
- उपराष्ट्रपति का चुनाव और निष्कासन।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीशों, मुख्य चुनाव आयुक्त और नियंत्रक और महालेखा परीक्षक को हटाने के लिए राष्ट्रपति को सिफारिशें करना।
- राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेशों का अनुमोदन।
- राष्ट्रपति द्वारा तीनों प्रकार की आपात स्थितियों की उद्घोषणा की स्वीकृति।
- प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों का चयन।
- वित्त आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक आदि जैसे संवैधानिक निकायों की रिपोर्टों पर विचार करना।
- उच्चतम न्यायालय और संघ लोक सेवा आयोग के क्षेत्राधिकार का विस्तार।

3. संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) के अन्तर्गत निधियों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. MPLADS निधियाँ टिकाऊ परिसंपत्तियों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, आदि की भौतिक आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में ही प्रयुक्त हो सकती हैं।
2. प्रत्येक सांसद की निधि का एक निश्चित अंश अनुसूचित जाति / जनजाति जनसंख्या के लाभार्थ प्रयुक्त होना आवश्यक है।
3. MPLADS निधियाँ वार्षिक आधार पर स्वीकृत की जाती हैं और अप्रयुक्त निधि को अगले वर्ष के लिए अग्रणीत नहीं किया जा सकता।
4. कार्यान्वित हो रहे सभी कार्यों में से कम-से-कम 10% कार्यों का जिला प्राधिकारी द्वारा प्रति वर्ष निरीक्षण अनिवार्य है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:-

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3
(d) केवल 1, 2 और 4

उत्तर:- (d)

व्याख्या- MPLADS निधियों का उपयोग स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, पुलों आदि जैसी चीजों बनाने के लिए किया जाना चाहिए, जो लंबे समय तक चले। इसलिए, यह कथन सही है।

- सांसदों को हर साल, अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के क्षेत्रों में MPLADS निधियों का कम से कम 15% और 7.5% खर्च करना होगा। इसलिए, यह कथन सही है।
- भारत सरकार द्वारा जिला प्राधिकरण को दिए गए पैसे का इस्तेमाल करना जरूरी है। अगर पैसा बच जाता है, तो उसे अगले साल के लिए बचा नहीं जा सकता। इसलिए, यह कथन गलत है।
- जिला प्राधिकरण योजना के तहत कामों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार होगा। वह हर साल कम से कम 10% कामों की जांच करेगा। इसलिए, यह कथन सही है।

4. निम्नलिखित मूल अधिकारों के किस संवर्ग में अस्पृश्यता के रूप में किए गए विभेदन के विरुद्ध संरक्षण समाविष्ट है?

- (a) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(b) स्वतंत्रता का अधिकार
(c) सांविधानिक उपचार का अधिकार
(d) समता का अधिकार

उत्तर:- (d)

व्याख्या- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 के तहत, सभी भारतीयों को समानता का अधिकार दिया गया है।

- अनुच्छेद 14 कहता है कि सभी भारतीय कानून के समक्ष समान हैं। इसका मतलब है कि सभी भारतीय कानूनों के समान संरक्षण के हकदार हैं, चाहे उनकी जाति, धर्म, लिंग या जन्म स्थान कुछ भी हो।
- अनुच्छेद 15 कहता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ धर्म, जाति, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता है। इसका मतलब है कि किसी भी भारतीय को इन आधारों पर किसी भी अधिकार या सुविधा से वंचित नहीं किया जा सकता है।
- अनुच्छेद 16 कहता है कि सार्वजनिक रोजगार में सभी भारतीयों के लिए समान अवसर होना चाहिए। इसका मतलब है कि किसी भी भारतीय को सार्वजनिक नौकरी में नियुक्ति या पदोन्नति के लिए इन आधारों पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।
- अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है। इसका मतलब है कि किसी भी भारतीय को अस्पृश्यता के आधार पर किसी भी अधिकार या सुविधा से वंचित नहीं किया जा सकता है।
- अनुच्छेद 18 उपाधियों को समाप्त करता है। इसका मतलब है कि राज्य किसी भी व्यक्ति को उपाधि नहीं दे सकता है।

5. भारत में, न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण, किससे व्यापक है ?

- (a) संविधान की उद्देशिका द्वारा
(b) राज्य की नीति के निदेशक तत्व द्वारा
(c) सातवीं अनुसूची द्वारा
(d) परम्परागत व्यवहार द्वारा

भारतीय संविधान के भाग IV में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों का वर्णन किया गया है। इन सिद्धांतों का उद्देश्य लोगों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करना है। ये सिद्धांत सरकार को एक कल्याणकारी राज्य के रूप में विकसित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं। अनुच्छेद 50 यह सुनिश्चित करता है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका दो अलग-अलग शाखाएं हैं। कार्यपालिका को कानून बनाने और लागू करने का अधिकार है, जबकि न्यायपालिका को कानूनों की व्याख्या करने और न्याय करने का अधिकार है।

नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

- (A) केवल एक
 (B) सिर्फ दो
 (C) 1 और 2 दोनों
 (D) न तो 1 और न ही दो

उत्तर:- (b)

व्याख्या - कथन 1 गलत है - उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 एक ई-कॉमर्स इकाई (विदेशी स्वामित्व वाली) को किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है, जो इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स के लिए एक डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक सुविधा या प्लेटफॉर्म का मालिक है, संचालित करता है या उसका प्रबंधन करता है, लेकिन इसमें एक विक्रेता शामिल नहीं है जो अपनी पेशकश करता है। किसी मार्केटप्लेस ई-कॉमर्स इकाई पर बिक्री के लिए सामान या सेवाएं।

कथन 2 सही है - ई-कॉमर्स के मार्केटप्लेस आधारित मॉडल का अर्थ है खरीदार और विक्रेता के बीच एक सुविधा के रूप में कार्य करने के लिए एक डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक ई-कॉमर्स इकाई द्वारा एक आईटी प्लेटफॉर्म प्रदान करना। दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री आधारित मॉडल का अर्थ एक ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की सूची का स्वामित्व एक ई-कॉमर्स इकाई के पास होता है और इसे सीधे उपभोक्ताओं को बेचा जाता है। हालांकि, ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में एफडीआई की अनुमति नहीं है। ई-कॉमर्स पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, एक मार्केटप्लेस प्रदान करने वाली ई-कॉमर्स इकाई इन्वेंट्री यानी बेचे जाने वाले सामान पर स्वामित्व या नियंत्रण का प्रयोग नहीं करेगी। इन्वेंट्री पर इस तरह का स्वामित्व या नियंत्रण व्यवसाय को इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में प्रस्तुत करेगा। एक विक्रेता की सूची को एक ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस इकाई द्वारा नियंत्रित माना जाएगा यदि ऐसे विक्रेताओं की 25% से अधिक खरीदारी मार्केटप्लेस इकाई या उसकी समूह कंपनियों से होती है।

UPSC - 2023

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. झेलम नदी, वुलर झील से होकर जाती है।
2. कृष्णा नदी सीधे कोल्लेरु झील का भरण करती है।
3. गंडक नदी के विसर्पण से काँवर झील निर्मित हुई है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (a) केवल एक
 (b) केवल दो
 (c) सभी तीन
 (d) कोई भी नहीं

उत्तर:- (b)

व्याख्या - स्पष्टीकरण:

कोल्लेरु झील को मौसमी बुदामेरु और तम्मिलेरु धाराओं के पानी से सीधे पानी मिलता है और यह कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच स्थित है, इसलिए कथन 2 गलत है।

कथन 1 और 3 तथ्यात्मक रूप से सही हैं।

2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

पत्तन (पोर्ट) जिस रूप में सुविख्यात है

1. कामराजर पोर्ट : भारत में एक कम्पनी के रूप में पंजीकृत सबसे पहला प्रमुख पत्तन
2. मुंद्रा पोर्ट : भारत में निजी स्वामित्व वाला सबसे बड़ा पत्तन
3. विशाखापत्तनम : भारत में सबसे बड़ा पोर्ट आधान पत्तन (कंटेनर पोर्ट)

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

- (a) केवल एक युग्म
 (b) केवल दो युग्म
 (c) सभी तीन युग्म
 (d) कोई भी युग्म नहीं

उत्तर:- (b)

व्याख्या - मुंद्रा पोर्ट मात्रा के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बंदरगाह है, इसने वित्तीय वर्ष 2011 में 5.65 मिलियन बीस-फुट समकक्ष इकाइयों

(टीईयू) को संभालकर राज्य द्वारा संचालित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) को पछाड़कर कंटेनर हैंडलिंग में एक और गौरव हासिल किया है। पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि।

3. निम्नलिखित वृक्षों पर विचार कीजिए:

1. कटहल (आर्टोकार्पस हेटेरोफाइलस)
2. महुआ (मधुका इंडिका)
3. सागौन (टेक्टोना ग्रैंडिस)

उपर्युक्त में से कितने पर्णपाती वृक्ष हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर:- (b)

व्याख्या - स्पष्टीकरण: कटहल सदाबहार वृक्ष है इसलिए गलत है। महुआ और सागौन पर्णपाती वृक्ष हैं।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चीन की तुलना में भारत के पास अधिक कृषियोग्य क्षेत्र हैं।
2. चीन की तुलना में भारत में सिंचित क्षेत्र का अनुपात अधिक है।
3. चीन की तुलना में भारत की कृषि में प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादकता अधिक है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर:- (b)

व्याख्या - स्पष्टीकरण:

कथन 1: भारत का कृषि योग्य भूमि क्षेत्र 156 मिलियन हेक्टेयर है जबकि चीन का कृषि योग्य भूमि क्षेत्र 119 मिलियन हेक्टेयर है।

कथन 2: उपरोक्त लेखों के अनुसार, भारत का सिंचित क्षेत्र का अनुपात 48% है जबकि चीन का सिंचित क्षेत्र का अनुपात 41% है। कथन 3: चीन में कृषि उत्पादकता भारत की तुलना में लगभग 50 से 100% अधिक है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा एक, समुद्र स्तर में पुनरावर्ती गिरावट का सर्वोत्तम उदाहरण है, जिससे वर्तमान समय की सुविस्तृत कच्छभूमि उत्पन्न हुई है?

- (a) भीतरकनिका गिरावट (मैनग्रोव)
- (b) मरक्कनम लवण बेसिन
- (c) नौपाड़ा अनूप
- (d) कच्छ का रण

उत्तर:- (d)

व्याख्या - कच्छ का रण एक समय अरब सागर का उथला हिस्सा था, जब तक कि एक भूवैज्ञानिक बदलाव ने समुद्र के साथ संबंध बंद नहीं कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में यह क्षेत्र मौसमी दलदली नमक रेगिस्तान बन गया। मानसून के दौरान यह क्षेत्र पानी से भर जाता है और आर्द्रभूमि बन जाती है। गर्मियों में पानी सूखकर सफेद नमकीन भूमि का बिस्तर बन जाता है। ग्रेट रण एक कटोरे के आकार का अवसाद है, इसका पूर्वी किनारा लूनी नदी के जल निकासी क्षेत्र में विलीन हो जाता है।

6. भारत के कतिपय तटीय क्षेत्रों में, प्रचुर मात्रा में उपलब्ध इल्मेनाइट और स्टाइल निम्नलिखित में से किसके समृद्ध स्रोत हैं?

- (a) ऐलुमिनियम
- (b) ताम्र
- (c) लोह
- (d) टाइटेनियम

उत्तर:- (d)

व्याख्या - भारत भारी खनिजों के बड़े संसाधनों से संपन्न है जो मुख्य रूप से देश के तटीय हिस्सों और अंतर्देशीय क्षेत्रों में भी पाए जाते हैं। भारी खनिज रेत में सात खनिजों का एक समूह शामिल है, जैसे, इल्मेनाइट, ल्यूकोक्सेन (भूरा इल्मेनाइट), स्टाइल, जिरकोन, सिलिमेनाइट, गार्नेट और मोनाजाइट। इल्मेनाइट (FeO.TiO_2) और स्टाइल (TiO_2) टाइटेनियम के दो प्रमुख खनिज हैं। टाइटेनियम डाइऑक्साइड स्टाइल, एनाटेज (ऑक्टाहेड्राइट) और ब्रूकाइट के रूप में बहुरूपी रूपों में होता है।

98. हाल के वर्षों में, चाड, गिनी, माली और सूडान ने निम्नलिखित में से किस एक कारण से अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जो इन सभी देशों से संबंधित हैं?

- दुर्लभ मृदा तत्वों से समृद्ध निक्षेपों की खोज
- चीनी सैन्य बेस का स्थापित होना
- सहारा मरुस्थल का दक्षिणाभिमुखी प्रसार
- सफल तख्ता पलट

उत्तर:- (d)

व्याख्या - चाड, गिनी, माली और सूडान में हाल ही में हुए तख्तापलट ने मीडिया का ध्यान और चिंता बढ़ा दी है।

99. निम्नलिखित भारी उद्योगों पर विचार कीजिए :

- उर्वरक संयंत्र
- तेलशोधक कारखाने
- इस्पात संयंत्र

उपर्युक्त में से कितने उद्योगों के विकारजनन में हरित हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका होने की अपेक्षा है?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई भी नहीं

उत्तर:- (c)

व्याख्या - कम लागत वाले नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में हरित हाइड्रोजन रिफाइनिंग, उर्वरक उद्योग, लोहा और इस्पात आदि जैसे मुश्किल से कम होने वाले क्षेत्रों को डीकार्बोनाइजिंग करने में सहायता कर सकता है।

100. G-20 के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- G-20 समूह की मूल रूप से स्थापना वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा के मंच के रूप में की गई थी।
- डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा भारत की G-20 प्राथमिकताओं में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर:- (c)

व्याख्या - G20 की स्थापना 1999 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी। भारत की G20 प्राथमिकताएँ:

- हरित विकास, जलवायु वित्त और जीवन
- त्वरित, समावेशी और लचीला विकास
- एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाना
- तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा
- 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थान
- महिला नेतृत्व वाला विकास

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

(Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - <https://shorturl.at/qBJ18> (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - <https://shorturl.at/tGHRT> (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - <https://youtu.be/gPqDNlc6UR0>

Rajasthan CET 12th Level - <https://youtu.be/oCa-CoTFu4A>

RPSC EO / RO - <https://youtu.be/b9PKjl4nSxE>

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdaK856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s>

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - <https://youtu.be/2gz2fJyt6vI>

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 में से)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

whatsapp - <https://wa.link/Oo4i74> 1 web.- <https://shorturl.at/lSOW7>

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसम्बर (1 st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसम्बर (2 nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसम्बर (2 nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1 st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1 st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.